हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, सोमवार 20 जुलाई 2026

12 जय जगन्नाथ, जय बलदेव, जय सुभद्रा के जय घोषों से गूंजा शहर

12 मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विद्यालय प्रबंधन समितियों से किया सीधा संवाद

खबर संक्षेप

ऑटो मार्केट से स्कूटी चोरी, जांच जारी

बहादुरगढ़। ऑटो मार्केट के पास से स्कूटी चोरी हो गई। वाहन मालिक ने पुलिस को शिकायत दे दी है। बालोर गांव के निवासी नवीन का कहना है कि हाल ही में वह ऑटो मार्केट में गया था। वहां मोड़ के पास स्कूटी खड़ी कर दी। कुछ देर बाद वापस लौटा तो स्कूटी नहीं मिली। कोई अज्ञात शख्स चुरा ले गया है। पुलिस तलाशने में मदद करे। इस शिकायत पर सदर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल व्यक्ति की मौत

झज्जर। क्षेत्र के गांव शेरिया के नजदीक शनिवार सांय अज्ञात वाहन की टक्कर से एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई, लेकिन इसी दौरान राहुल नाम के युवक ने मानवता का परिचय देते हुए घायल को अपनी कार में बैठाकर तुरंत उपचार के लिए रोहतक पीजीआई पहुंचाया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। अस्पताल प्रशासन की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। मृतक की अभी तक पहचान नहीं हो सकी है।

जिला व उपमंडल स्तर पर आज लगेंगे समाधान शिविर

झज्जर। आमजन की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा सोमवार को जिला मुख्यालय सहित सभी उपमंडलों में समाधान शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक लगाए जाएंगे। जहां नागरिकों की शिकायतें सुनकर उनका मौके पर ही निपटान सुनिश्चित किया जाएगा। प्रवक्ता ने बताया कि जिला स्तरीय समाधान शिविर में डीसी वर्षा खांगवाल और उपमंडल स्तर पर संबंधित एसडीएम लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनेंगे।

वकील के घर से नकदी और आभूषण चोरी

बहादुरगढ़। गांव इस्सरहेड़ी में एक वकील के मकान को चोरों ने निशाना बना लिया। ताला तोड़कर मकान में घुसे और 50 हजार की नकदी सहित लाखों के आभूषणों पर हाथ साफ कर गए। वकील की शिकायत पर सदर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वारदात सतेंद्र कुमार मिश्रा के मकान में हुई है। सतेंद्र मिश्रा का कहना है कि इस्सरहेड़ी स्थित श्यामकुंज हिंद नगर कॉलोनी में रहते हैं।

गांव के लिए निकला प्रवासी लापता

बहादुरगढ़। सांखोल से अपने गांव जाने के लिए निकला एक प्रवासी व्यक्ति लापता हो गया। तीन दिन बीत जाने के बाद भी उसका कुछ अता पता नहीं है। परिजनों ने पुलिस को सूचना देकर तलाश की गुहार लगाई है। यूपी मूल के विनय का कहना है कि उसका जीजा अशोक उसके पास गांव सांखोल में रहता था। गत 16 जुलाई को जीजा गांव आजमगढ़ यूपी जाने के लिए सांखोल से निकला था।

लेंटर झड़ने से नर्सिंग अधिकारी भी हो चुकी घायल

दहशत में रह रहे कर्मचारी

नागरिक अस्पताल के क्वार्टरों की हालत जर्जर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

मरीजों की सेवा में दिन-रात जुटे रहने वाले स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी स्वयं असुरक्षित और जर्जर हो चुके सरकारी क्वार्टरों में रहने को मजबूर हैं। यहां रहने वाले कर्मचारियों के अनुसार अस्पताल परिसर में बने क्वार्टरों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा वर्ष 2010 में बनवाया गया था। जिसके बाद महज पांच वर्ष बाद ही इनमें शिकायत आनी शुरू हो गई थी। तभी से ये सरकारी क्वार्टर मरम्मत का इंतजार कर रहे हैं। स्थिति यह है कि भवन की छतें टपक रही हैं, जगह-जगह से लेंटर झड़ रहा है, सरिया बाहर दिखाई देने लगी है और बारिश के दिनों में क्वार्टरों में पानी भर जाता है। यहां रहने वाले कर्मचारियों में अधिकांश नर्सिंग स्टाफ है। कर्मचारियों का कहना है कि यहां रहने की एवज में बाकायदा उनके वेतन का दस फीसदी आवास शुल्क भी काटा जाता है। लेकिन यहां मूलभूत सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं। हालात इतने गंभीर हो चुके हैं कि कुछ दिन पहले लेंटर का हिस्सा गिरने से नर्सिंग अधिकारी प्रमिला की आंख पर चोट लग गई थी। इसके बावजूद भवन की मरम्मत नहीं कराई गई, जिससे कर्मचारियों और उनके परिवारों में लगातार भय का माहौल बना हुआ है। इस परिसर में उगे झाड़ झखंड के कारण जहरीले जीवों के निकलने का अंदेशा भी रहता है। कर्मचारियों का कहना है कि हाल ही में नागरिक अस्पताल परिसर में कायाकल्प योजना के अंतर्गत विभिन्न विकास कार्य कराए गए थे लेकिन वर्षों से जर्जर हो चुके सरकारी क्वार्टरों की ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया, जिस कारण कर्मचारियों में रोष व्याप्त है। वे जल्द ही इस शिकायत को लेकर पहले सीएमओ से मिलेंगे और यदि फिर भी उनकी समस्या की तरफ ध्यान में नहीं दिया गया तो वे डीसी का दरवाजा खटखटाने को मजबूर होंगे।

झज्जर। जर्जर हालत में नागरिक अस्पताल के क्वार्टर।

झज्जर। सरकारी क्वार्टर के बाहर परिवार के साथ खड़े कर्मचारी।

सिटी पल्स

अधिकारियों ने दिया सिर्फ आश्वासन

नर्सिंग ऑफिसर कविता गुलिया ने बताया कि क्वार्टरों की हालत लगातार खराब होती जा रही है। बारिश के समय कमरों में पानी टपकता है, दीवारों में सीलन रहती है और कई जगह लेंटर झड़कर गिर रहा है। उन्होंने कहा कि कई बार अधिकारियों को समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिला है।

कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

नर्सिंग ऑफिसर निधि ने कहा कि क्वार्टरों में रहने वाले छोटे-छोटे बच्चे भी सीलन और गंदगी के कारण बार-बार बीमार पड़ जाते हैं। कर्मचारियों से नियमित रूप से किराया काटा जाता है, लेकिन रहने लायक सुरक्षित माहौल तक उपलब्ध नहीं कराया जा रहा। उन्होंने कहा कि यदि जल्द मरम्मत नहीं हुई तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

पानी निकासी के लिए बनी नालियों पर उगे झाड़ झखंड

नर्सिंग ऑफिसर मंजू कुमारी ने बताया कि बारिश के दिनों में क्वार्टरों तक आने-जाने में भी भारी परेशानी होती है। परिसर में पानी भर जाता है। कई जगह भवन का प्लास्टर झड़ कर गिर चुका है। इसके अलावा यहां पानी निकासी के लिए बनी गहरी नालियों पर झाड़ झखंड उगे हैं जिनमें बच्चों के चोटिल होने का भय बना रहता है। कर्मचारियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए जल्द से जल्द मरम्मत कार्य कराया जाना चाहिए।

बहादुरगढ़। अस्पताल में विलाप करते मृतक के परिजन। फोटो : हरिभूमि

उधार के 9 हजार रुपये मांगने पर दुकानदार की हत्या, बेटा गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

इलाके में दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है। यहां लाइनपार के छोटूराम नगर में उधार दिए गए राशन के रुपये मांगने पर एक दुकानदार पर ताबड़तोड़ चाकू से वार किए गए। बीच बचाव करने आए उसके नाबालिग बेटे पर भी हमला किया गया। हमले में दुकानदार की जान चली गई, जबकि उसका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। लाइनपार थाना पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है।

वारदात रविवार की दोपहर को हुई। जानकारी के अनुसार, बिहार के बक्सर जिले का करीब 45 वर्षीय अभिषेक सिंह यहां छोटूराम नगर में परिवार सहित रहता था। उसने किरयाने की दुकान कर रखी है। दुकान के पड़ोस में रहने वाला एक शख्स उसकी दुकान से उधार राशन लेता था। करीब 9 हजार रुपये की उधारी हो गई थी। कई बार मांगने के बावजूद पैसे नहीं दे रहा था। बताया जा रहा है कि रविवार को अभिषेक सिंह अपने 14 वर्षीय बेटे अभिराज के साथ आरोपी पड़ोसी के घर उधार के पैसे मांगने गया था। इसी दौरान विवाद गहरा गया।

आरोपी द्वारा चाकू से अभिषेक सिंह पर ताबड़तोड़ वार किए। छाती व पेट पर गहरे घाव आए। बीचबचाव करने पर बेटे अभिराज पर भी हमला किया गया। इसके बाद आरोपी फरार हो गया। इसके बाद आरोपी फरार हो गए। परिजनों द्वारा अभिषेक व अभिराज अस्पताल में भर्ती कराए, यहां अभिषेक को मृत घोषित कर दिया गया। लाइनपार पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मामले में हमला करने वाले के साथ 2 और लड़के बताए जा रहे हैं। आरोपियों की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। परिजनों के बयान के आधार पर केस दर्ज कर पुलिस मामले में जांच आगे बढ़ाएगी।

बरसात के मौसम में स्थिति और भी चिंताजनक हो जाती है

टूटे और धंसे सीवरेज मेनहोल से बढ़ी दुर्घटना की संभावना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

शहर के विभिन्न क्षेत्रों में टूटे, धंसे और क्षतिग्रस्त सीवरेज मेनहोल आमजन के लिए परेशानी का कारण बने हुए हैं। कई स्थानों पर मेनहोल के ढक्कन टूट चुके हैं, जबकि कहीं धंस गए हैं। बरसात के मौसम में स्थिति और भी चिंताजनक हो जाती है। बारिश का पानी भर जाने से मेनहोल दिखाई नहीं देते और दुर्घटना होने का अंदेशा बना रहता है। शहरवासियों का कहना है कि कई मेनहोल लंबे समय से क्षतिग्रस्त पड़े हैं। कुछ स्थानों पर लोगों ने अपनी ओर से पत्थर, लकड़ी या टहनियां लगाकर बचाव किया जा रहा है। लेकिन फिर भी इन्हें ठीक नहीं करवाया जा रहा है। लोगों ने जिला प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि शहर के सभी टूटे और धंसे सीवरेज मेनहोल को जल्द से जल्द ठीक करवाया जाए ताकि आमजन को परेशानियों का सामना न करना पड़े।

झज्जर। शहर के बहादुरगढ़ मार्ग पर सड़क पर धंसा सीवरेज का मेनहोल।

नीरज की हत्या से आहत ग्रामीणों ने लगाया टोल पर जाम

- शव लेकर आई एंबुलेंस को मौके पर खड़ा कर रोष जताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

नीरज ठेकेदार की हत्या के बाद से परिजन व ग्रामीण आहत हैं। गुस्साए ग्रामीणों ने शाम को टोल पर जाम लगा दिया। शव लेकर आई एंबुलेंस को मौके पर खड़ा कर रोष जताया गया। करीब एक घंटे तक जाम रहा। अधिकारियों के आश्वासन के बाद ग्रामीण शांत हुए और शव का दाह संस्कार किया जा सका।

शव का पोस्टमार्टम पीजीआई रोहतक में हुआ। शव को पीजीआई से रवाना होने से पूर्व ही ग्रामीण छारा टोल प्लाजा पर जुटने शुरू हो गए। इसके बाद शव लेकर आई एंबुलेंस को भी वहीं रोक लिया गया। जाम की सूचना पाकर पुलिस प्रशासन हरकत में आया। एसीपी सुरेंद्र और शमशेर सिंह, एसएचओ जयभगवान आदि अधिकारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाने के प्रयास किए लेकिन ग्रामीण मांग पर अड़े रहे। ग्रामीणों ने आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर सख्त सजा देने, चौकी प्रभारी के तबादले, मामले की जांच एसएचओ से कराने आदि मांग रखी। आश्वासन पर करीब एक घंटे बाद जाम खोल दिया गया। डीसीपी मयंक मिश्रा ने भी गांव का दौरा कर परिजनों को आश्वासन दिया। हालांकि तबादले संबंधित मांग की पुष्टि अधिकारियों ने नहीं की है। जाम खुला तो मार्ग पर यातायात सुचारू हुआ। बाद में गमगीन माहौल में शव का दाह संस्कार किया गया।

बहादुरगढ़। पुलिस अधिकारियों के समक्ष अपनी मांग रखते ग्रामीण।

बहादुरगढ़। टोल पर मौजूद ग्रामीण व पुलिस।

जंगलों और झीलों के बीच दौड़े बहादुरगढ़ के धावक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

गुरुग्राम के सेक्टर-59 में आयोजित लेक्स इन फॉरेस्ट ट्रेल रन 2026 में बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप के धावकों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई उपलब्धियां हासिल की। जंगलों, पहाड़ियों और झीलों के बीच आयोजित इस दौड़ में प्रतिभागियों को कठिन रास्तों से गुजरना पड़ा। प्रतियोगिता में 6, 12, 17, 32 और 42 किलोमीटर की विभिन्न श्रेणियां रखी गई थीं।

प्रतियोगिता की 18 किलोमीटर टीम स्पर्धा में बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप के नवीन डबास और प्रीति की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। दोनों धावकों ने कठिन ट्रैक पर अपनी गति और सामंजस्य का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वहीं, 42 किलोमीटर टीम रन में सौरभ और अमित कौशिक की टीम ने पहला स्थान प्राप्त किया। बीआरजी के संस्थापक व फिटनेस प्रेरक दीपक छिल्लर तथा अनुभवी धावक गुलाब सिंह ने भी इस ट्रेल रन में भाग लिया। वहीं अंशुल जैन, कमल व हंसराज विजयरण ने भी सफलतापूर्वक दौड़ पूरी कर अपनी खेल भावना और समर्पण का परिचय दिया। दीपक छिल्लर ने बताया कि ऐसे आयोजन युवाओं को फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

बहादुरगढ़। रन में भाग लेने वाले बीआरजी के धावक।

विधायक बोले, दोनों वार्डों की समस्याओं का जल्द समाधान

पार्षदों ने विधायक को बताई अपने वार्डों की समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शहर में लगातार बढ़ रही सीवर ओवरफ्लो और जलभराव की समस्या के स्थाई समाधान के लिए विधायक राजेश जून ने व्यापक योजना बनाने की बात कही है। रविवार को वार्ड-11 के पार्षद अशोक शर्मा और वार्ड-10 के पार्षद प्रतिनिधि हरिमोहन धाकरे ने उनसे मुलाकात कर अपने-अपने क्षेत्रों में सीवर जाम, ओवरफ्लो व बरसात के दौरान जलभराव की समस्या से अवगत कराया। विधायक ने संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दोनों वार्डों की समस्याओं का जल्द समाधान कराया जाएगा। पार्षद अशोक शर्मा ने धर्म विहार में करीब 50 लाख रुपये की लागत से गलियों के निर्माण कार्य शुरू कराने पर विधायक का आभार भी जताया। विधायक जून ने कहा कि शहर में सीवर ओवरफ्लो की समस्या का मुख्य कारण नालियों और बरसाती पानी का सीधा सीवर लाइन में जाना है।

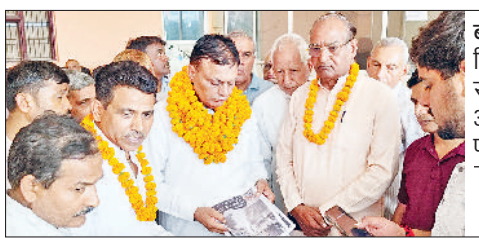

बहादुरगढ़। विधायक को समस्याओं से अवगत कराते पार्षद।

अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर युवक ने दी जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

अज्ञात कारणों के चलते बहादुरगढ़ निवासी एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान करीब 21 वर्षीय आवेश मिश्रा के तौर पर हुई है। जानकारी के अनुसार वह परिवार से अलग रहता था। उसने शनिवार की रात फांसी लगा ली। परिजनों को जब पता चला तो वे उसे फांसी के फंदे से उतारकर उपचार के लिए निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले के जांच अधिकारी प्रदीप ने बताया कि परिजनों के बयान पर इत्तिफाकिया कार्रवाई अमल में लाई गई है। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

झज्जर। नागरिक अस्पताल परिसर में पोस्टमार्टम के लिए कागजी कार्रवाई करते हुए पुलिसकर्मी।

बिजली गुल होते ही पानी की सप्लाई भी चरमराई, उमस भरी गर्मी में लोगों का जीना हुआ मुश्किल

बिजली के अघोषित कटों से न रात को नींद, न दिन को चैन, बढ़ी परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

शहर में पिछले कई दिनों से दिन और रात को लग रहे अघोषित बिजली कटों ने आमजन की परेशानियों को बढ़ा दिया हैं। उमस भरी गर्मी के बीच बार-बार बिजली गुल होने के कारण जन-जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। बिजली कटौती के कारण पेयजल आपूर्ति भी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। इससे लोगों को दोहरी मार झेलनी पड़ रही है। शनिवार रात भर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में बिजली के लंबे लंबे कट लगते रहे। जिसके कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं बिजली नहीं होने के कारण कई क्षेत्रों में पानी की सप्लाई नहीं हो पा रही है। लोगों को अपने दिनचर्या के कार्य निपटाने के लिए भी पानी खरीदना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि यदि किसी तकनीकी कारण या मरम्मत कार्य के चलते बिजली बंद करनी पड़ती है तो बिजली निगम को पहले से सूचना देनी चाहिए, ताकि लोग अपनी वैकल्पिक व्यवस्था कर सकें। इसके अलावा बिजली कटौती का बाजार के कारोबार पर भी असर पड़ रहा है।

झज्जर। दोपहर के समय चिलचिलाती धूप के कारण खाली पड़ी सड़क।

बिजली कटौती से नाराज लोगों ने किया प्रदर्शन

बहादुरगढ़। लाइनपार के सुभाष नगर में लगातार बिजली आपूर्ति बाधित रहने से नाराज लोगों ने नागरिक मंच के बैनर तले बिजली निगम के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने निगम पर बिजली गुल, बिल फुल की नीति अपनाने का आरोप लगाते हुए नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की। मंच के संयोजक रामकिशन और सह संयोजक प्रदीप कुमार ने कहा कि भीषण गर्मी और उमस के बीच बार-बार बिजली कटने से लोगों का दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और कामकाजी लोगों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रात में पर्याप्त बिजली नहीं मिलने से अगले दिन काम पर जाने वाले श्रमिकों को भी दिक्कत होती है। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि क्षेत्र के पुराने ट्रांसफार्म, बिजली लाइनें और अन्य उपकरण तत्काल बदले जाएं तथा गरीब बस्तियों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। बिजली के निजीकरण पर रोक लगाने और स्मार्ट मीटर योजना वापस लेने की भी मांग उठाई। इस मौके पर अंगूरी, विद्या, अमन, पारस, वीरेंद्र सहित अन्य स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

हरियाणवी गायन विधा

हरियाणा की लोक-गीत संस्कृति गीत, रागिनी व स्वांग तक ही सीमित नहीं है। इसमें 40 से भी अधिक गायन की विधाएं रही हैं। इनमें दोहा, काफिया (तीन पंक्ति), चौबोला, शिव स्तुति, सोहनी, झूलना, राधेश्याम, अली बख्श, ख्याल, निहाल दे, दौड़, साका, आल्हा, बहर-ए-तवील, नसीरा, बारहमासा, छंद, उलट बांसी आदि शैलियां शामिल हैं। हरियाणा की गायन शैलियों की यह विशेषता भी रही है कि विशेषकर महिलाओं के गीत मौसम के हिसाब से रचे जाते रहे हैं।

हरियाणवी गीत-संगीत का बदलता मिजाज

आज हरियाणवी संगीत विश्व स्तर पर सुना जा रहा है, लेकिन दूसरी ओर चिंता भी है। विवाह, मुकलावा, दसोठण, बन्ना-बन्नी, फाग और तीज के अनेक पारंपरिक गीत अब धीरे-धीरे स्मृतियों तक सीमित होते जा रहे हैं।

लोक संस्कृति

नवरत्न

हरियाणा को यदि उत्सवधर्मी प्रदेश कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। यहां वर्ष का शायद ही कोई ऐसा महीना हो जिसमें किसी न किसी लोक अवसर पर गीत न गूंजते हों। दसोठण से लेकर नामकरण, मुकलावा, विवाह, तीज, गणगौर, सामण, फाग, होली, दिवाली, चौथ, और खोड़िया खेड्डा तक -हर पड़ाव का अपना अलग गीत, अलग लय और अलग सांस्कृतिक अर्थ रहा है। हरियाणवी लोकगीत केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रहे; वे समाज की स्मृति, लोकज्ञान, रिश्तों की मिठास, व्यंग्य, प्रेम, संघर्ष और आध्यात्मिक चेतना के जीवंत दस्तावेज रहे हैं। आज जब मोबाइल फोन पर एक क्लिक में करोड़ों लोग हरियाणवी गीत सुन रहे हैं, तब यह समझना रोचक है कि इस लोकसंगीत ने किन-किन पड़ावों से गुजरकर यह मुकाम हासिल किया।

लोकजीवन की पहली धड़कन

स्वतंत्रता से पहले हरियाणा का मनोरंजन पूरी तरह लोकजीवन से जुड़ा हुआ था। गांव की चौपाल, कुएं का पनघट, खेतों की मेड़, मेलों का मैदान और विवाह का आंगन ही सांस्कृतिक मंच थे। उस समय सांग सबसे प्रभावशाली लोकनाट्य था। पंडित लखमीचंद, मांगेराम और बाजे भगत जैसे कलाकारों ने लोकभाषा में धर्म, नीति, प्रेम, इतिहास और सामाजिक चेतना को जन-जन तक पहुंचाया। उनकी रागनियां आज भी लोकस्मृति में जीवित हैं। इसी दौर में सपेरों की बीन, जोगियों की सारंगी, ढोलक, खंजरी, चिमटा और इकतारा ग्रामीण मनोरंजन के प्रमुख साधन थे। गीत सामूहिक होते थे, श्रोता भी सहभागी होते थे।

लोकगीतों से जनजागरण तक

स्वतंत्रता के बाद लोकसंगीत का एक नया उपयोग सामने आया। सरकारी सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की भजन पार्टियों ने गांव-गांव जाकर लोकधुनों के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और सरकारी योजनाओं का प्रचार किया। मनोरंजन अब सामाजिक संदेश का माध्यम भी बन गया। इसी समय रेडियो का प्रभाव बढ़ा। आकाशवाणी के ग्राम संसार, खेती-बाड़ी और लोकसंगीत कार्यक्रमों ने गांव-गांव तक नई पहचान बनाई। हरियाणवी लोकगायकों को पहली बार व्यापक मंच मिला।

पंजाब का प्रभाव व बदलती रुचियां

सत्तर और अस्सी के दशक में पंजाब के लोकसंगीत का हरियाणा पर गहरा प्रभाव पड़ा। गुरदास मान, भांगड़ा दलों और पंजाबी कैसेटों ने युवाओं को आकर्षित किया। विवाह समारोहों में ढोल और भांगड़ा सामान्य दृश्य बनने लगे। इसके बावजूद हरियाणा की अपनी लोक परंपरा जीवित रही। तीज के झूले, फाग के गीत, ब्याह की बन्ना-बन्नी, घुड़चढ़ी, मुकलावा, दसोठण और पनघट के गीत लगातार गाए जाते रहे।

जब हर घर बना संगीतालय

अस्सी और नब्बे का दशक हरियाणवी संगीत का निर्णायक मोड़ था। टेप रिकॉर्डर प्रतिष्ठा का प्रतीक बन गया। ऑडियो कैसेटों ने लोकसंगीत को घर-घर पहुंचा दिया।

दादरी के निकट स्थापित मैना कैसेट्स जैसी कंपनियों ने हरियाणवी और पंजाबी गीतों को बड़े पैमाने पर रिकॉर्ड किया। साथ ही टी-सीरिज ने भी हरियाणवी गीतों को व्यापक बाजार दिया। इसी दौर में हरियाणवी फिल्मों- चंद्रावल, म्हारी धरती म्हारी मां, बहुरानी, सांझी और बटेऊ- के गीतों ने लोकप्रियता के नए कीर्तिमान बनाए। कहा जाता है कि चंद्रावल का संगीत विदेशों तक पहुंचा। कलाकारों जैसे देवीशंकर प्रभाकर, उषा शर्मा, भालसिंह बल्हारा और रघुवेंद्र मलिक घर-घर पहचाने जाने लगे।

रागनी प्रतियोगितियों का स्वर्णकाल

नब्बे के दशक में हरियाणा में रागनी प्रतियोगितियों का अभूतपूर्व दौर आया। घड़वा-बैंजू की संगत पर रागनी गायन प्रतियोगिताएं पूरी रात चलती थीं। रमेश कल्हावड़, मास्टर सतबीर, रणबीर बड़वासनिया, राजेन्द्र खरकिया, बाली शर्मा और पाले राम नाई जैसे कलाकारों ने लखमीचंद और मांगेराम की रागनियों को नई पीढ़ी तक पहुंचाया। उस समय रागनी केवल संगीत नहीं, लोकबुद्धि की परीक्षा भी होती थी।

सीडी, डीजे और मंचीय संस्कृति

इसके बाद सीडी का दौर आया। 'हट जा ताऊ पाछै नै' जैसे गीतों ने लोकप्रियता के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। गांवों में डीजे संस्कृति का प्रवेश हुआ। पिकअप वाहनों पर विशाल स्पीकर लादकर बारातें निकलने लगीं। ढोलक और नगाड़े की जगह तेज ध्वनि वाले डीजे ने ले ली। इसी दौर में मंचीय नृत्य और लाइव कार्यक्रमों का विस्तार हुआ।

सपना चौधरी और नया हरियाणा

फिर हरियाणवी मनोरंजन को एक नया चेहरा मिला- सपना चौधरी। उनके मंचीय कार्यक्रमों ने हरियाणवी संगीत को राष्ट्रीय पहचान दिलाई। इसके बाद हरियाणवी गीतों ने यूट्यूब और सोशल मीडिया पर करोड़ों दर्शक जुटाने शुरू कर दिए। आज बावन गज का दामण, तेरी आंख्या का यो काजल, गजबण, घूंघट, बालम थानेदार, टोकणी, मेरा बालम, जेल करावैगी, भिरड़ लड़गी जैसे गीत केवल हरियाणा तक सीमित नहीं हैं; वे देश और विदेश में भी सुने जाते हैं।

बदलते विषय, बदलती भाषा

आज के गीतों में प्रेम, नोकझोंक, हास्य, फैशन, गाड़ी, मोबाइल, सोशल मीडिया और आधुनिक जीवन के प्रतीक अधिक दिखाई देते हैं। कभी 'हीरो होंडा', कभी 'जिप्सी', कभी 'बीयर', कभी 'इंग्लिश', कभी 'सैंडल'-लोकजीवन बदलता है तो गीतों की शब्दावली भी बदल जाती है। फिर भी हरियाणवी गीतों की सबसे बड़ी विशेषता उनकी कल्पनाशीलता है। 'तू छाती कै लाग्या रहिए, ताबीज बणा ल्यूँ तनै' जैसी पंक्तियाँ प्रेम को लोकबिंब में ढाल देती हैं। 'रै गई हाल सिर पै दोघड़ रै, पाणी छलकै' जैसे बिंब ग्रामीण जीवन की सहजता को जीवित रखते हैं और कुछ गीत तो सूफियाना ऊंचाई तक पहुंच जाते हैं। 'मैं तेरी नचाई नाचूं सूं, इस दुनिया की औकात नहीं' पहली दृष्टि में प्रेमी-प्रेमिका का संवाद लगता है, पर गहराई में देखें तो यह जीवात्मा और परमात्मा के संबंध का रूपक भी बन सकता है। यही लोककाव्य की शक्ति है कि वह अनेक अर्थों में पढ़ा जा सकता है।

उपलब्धियां और चुनौतियां

आज हरियाणवी संगीत विश्व स्तर पर सुना जा रहा है। लाखों-करोड़ों व्यूज़, आधुनिक रिकॉर्डिंग, डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म और आर्थिक अवसरों ने कलाकारों को नई पहचान दी है। लेकिन दूसरी ओर चिंता भी है। विवाह, मुकलावा, दसोठण, बन्ना-बन्नी, फाग और तीज के अनेक पारंपरिक गीत अब धीरे-धीरे स्मृतियों तक सीमित होते जा रहे हैं। तेज़ संगीत ने कई बार सामूहिक गायन की परंपरा को पीछे धकेल दिया है।

हरियाणवी लोकसंगीत की यात्रा बीन से ब्लूटूथ, चौपाल से यूट्यूब और सांग से सोशल मीडिया तक की यात्रा है। माध्यम बदल गए हैं, मंच बदल गए हैं, श्रोता बदल गए हैं; लेकिन लोकमन की सृजनशीलता आज भी उतनी ही जीवंत है। आज हरियाणवी लोकगीत और संस्कृति की धूम है। मुंबई यानि बॉलीवुड में कोई भी बड़ी फिल्म आज बिना हरियाणवी कैरेक्टर के पूरी नहीं होती। आवश्यकता केवल इस बात की है कि आधुनिकता का स्वागत करते हुए हम अपनी लोकधरोहर को भी सुरक्षित रखें। क्योंकि हरियाणवी लोकगीत केवल मनोरंजन नहीं हैं; ये इस मिट्टी की सामूहिक स्मृति, सांस्कृतिक पहचान और लोकआत्मा की सबसे मधुर अभिव्यक्ति हैं।

हरियाणवी लोकसंगीत की यात्रा बीन से ब्लूटूथ, चौपाल से यूट्यूब और सांग से सोशल मीडिया तक की यात्रा है। माध्यम बदल गए हैं, मंच बदल गए हैं, श्रोता बदल गए हैं; लेकिन लोकमन की सृजनशीलता आज भी उतनी ही जीवंत है। आज हरियाणवी लोकगीत और संस्कृति की धूम है। मुंबई यानि बॉलीवुड में कोई भी बड़ी फिल्म आज बिना हरियाणवी कैरेक्टर के पूरी नहीं होती। आवश्यकता केवल इस बात की है कि आधुनिकता का स्वागत करते हुए हम अपनी लोकधरोहर को भी सुरक्षित रखें। क्योंकि हरियाणवी लोकगीत केवल मनोरंजन नहीं हैं; ये इस मिट्टी की सामूहिक स्मृति, सांस्कृतिक पहचान और लोकआत्मा की सबसे मधुर अभिव्यक्ति हैं।

ग़ज़ल | राजपाल सिंह गुलिया

हांस्सी ठट्ठा

भूल गए सभ हांस्सी ठट्ठा,
प्रेम - प्यार का बैठ्या भट्ठा।

बातां पै थे लोग मरणिया,
बिना बात वे लट्ठम-लट्ठा।

स्याणा कह सै आपे नै ये,
औरां नै उल्लू का पट्ठा।

बूझै मतना ऊधपणे की,
काणी कहकै मांगै मट्ठा।

चीज नहीं सै तिरे काम की,
सहम बता क्यूँ खोलै गट्ठा।

पांच जेळ म्हं एक बच्या क्यूं,
नेता का साला था छट्ठा।

घर कै म्हां मेला सा भर ज्या,
सारा कुणबा हो जिब कट्ठा।

गीत | सत्यवीर नाहड़िया

सुर में ताल मिलाएं ...

राग-द्वेष यदि छोड़ सभी हम, राग-देश अपनाएं।
सप्तक जैसा जीवन होगा, सुर में ताल मिलाएं।।

सांझ सदा ही यमन बने अरु भैरव भोर हमारी।
रात भुपाली देशराग हो, दुर्गा अरु केदारी।
जौनपुरी-सी चंचलता हो, काफी-सी खुम्मारी।
कभी भैरवी भीम-पलासी, सारंगी तैयारी।
मालकौंस को रातें प्यारी, पहर तीसरे गाएं।
सप्तक जैसा जीवन होगा, सुर में ताल मिलाएं।।

माँ वाणी से वाणी माँगे, वाणी मीठी-सादी।
भाव करें शुद्ध व कोमल, बन माँ के फरियादी।
तानपुरा से तान उठाकर, सँग ज्यूँ ताल मिला दी।
जीवन के सप्तक को कर लें, वादी या संवादी।
सधे मात्रा पूरी-आधी, सुर-संगम को ध्याएँ।
सप्तक जैसा जीवन होगा, सुर में ताल मिलाएँ।।

दा रा रा रा-दा रा रा रा, कभी सितार उठाना।
ताल व ताली भरी व खाली, मिलकर साथ बजाना।
कभी कहरवा ताल दादरा, रूपक सूल सजाना।
गाना आये या ना आये, फिर भी मन से गाना।
संगति पूरी सदा निभाना, बड़े यही बतलाएं।
सप्तक जैसा जीवन होगा, सुर में ताल मिलाएं।।

सुर-लय दोनों अनुशासन हैं, जीवन में अपना लें।
रच-बस जाएं छंदों में हम, ख्याल-ग़ज़ल तक गा लें।
गायन-वादन एक साधना, पूरे मन से पा लें।
संगीत-गीत अपनाकर हम, जीवन स्वर्ग बना लें।
कह 'नाहड़िया' आओ ध्या लें, परम पिता को पाएँ।
सप्तक जैसा जीवन होगा, सुर में ताल मिलाएं।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

हरियाणवीं यादें

सरकंडे से जेवड़ी यानी रस्सी बनाने का तीन दशक पहले का यह काम आधुनिकीकरण के चलते अब हाशिए पर आया

किसानों का स्वरोजगार कहलाती थी मूंज की रस्सी

जनजीवन

रवि यादव

मैंने यह फोटो वर्ष 2018 में खींची थी। इसमें हमारे गांव के सम्मानित व्यक्ति दादा मक्खन लाल मूंज कूट रहे हैं। यह फोटो अलग-अलग समूहों में बहुत वायरल हुई थी। करीब तीस साल पहले तक हमारे हरियाणा में झुंडे, जिनको आप सरकंडे के नाम से जानते हैं, हुआ करते थे। इन दिनों लगभग हर गांव में मूंज कूटने का काम खूब होता था। किसान गर्मी के इन दिनों में सुबह दस बजे तक दो-तीन मंजोली (मूंज की एक बड़ी पूली/गट्ठर) कूट देते और शाम चार बजे के बाद एक मंजोली को पानी में भिगोकर रस्सी बांट देते थे।

सरकंडे से रस्सी बनाने का यह सफर इतना आसान नहीं रहा, जितना आसानी से मैं लिख रहा हूं। झुंडों की कटाई संक्रांति के बाद होती थी। इनकी पानियां तलवार की धार के माफिक पैनी होती थीं। किसान हाथ चिर न जाए, इसके लिए हाथ में मोटी फौजी जुराब पहन लेते थे और दरांती से झुंडे काटते थे तथा पानियों से ही उन्हें बांध देते थे। फिर भी हाथ लहूलुहान हो जाते थे। फागण और आषाढ़ के महीनों में घर के बुजुर्ग सरकंडों के इन पूलों को वहां से तोड़ते, जहां गांठ होती थी और आखिर में पतली तुलिया (सरकंडे का अंतिम पतला भाग) बचती, जिसे अलग रख दिया जाता था। एक सरकंडे में एक-डेढ़ फुट पर करीब सात-आठ गांठ होती थीं।

इस तरह मूंज की पूलियां बनती थीं। किसी के स्वर्ग सिधारने की अंतिम यात्रा से पहले मृत देह को झुंडे के पूले पर ही लिटाया जाता था। मई के महीने में इन पूलियों को महीन कूटा जाता था। फिल्मों में आपने जज साहब का वह लकड़ी का हथौड़ा तो देखा ही होगा। बस, यह भी आकार में उससे बड़ा लकड़ी का बना हथौड़ा (ढीका—मूंज कूटने का विशेष लकड़ी का भारी हथौड़ा) होता था, जिसे बार-बार मूंज की पूली पर मारा जाता था। मूंज की पूली पर चोट मजबूत लगे, इसके लिए आयताकार पत्थर जमीन के बराबर गाड़ दिया जाता था। कूटते समय पूली को लगातार घुमाया जाता था, ताकि हर जगह से उसे महीन किया जा सके। इस तरह मूंज कूटने का काम किया जाता था। अब इन दिनों में गांव के जोहड़ पर पीपल या बड़ के पेड़ के नीचे या अपनी छांद में खाट डालकर किसान मूंज की एक पूली ले जाता, जोहड़ में से भिगो लाता, खाट पर रखता और खाट पर बीच में बैठकर मूंज बांटता। कई बार हम जैसों को कह दिया जाता, 'तू पूंजली (रस्सी बंटते समय हाथ में पकड़ाई जाने वाली मूंज की छोटी गठरी) पकड़ाता रह और मैं बांटता हूं।' रस्सी बनती जाती और मूंज खत्म होती जाती। जो मूंज की कच्ची रस्सी बनती, उसे समेटने की कला साधारण नहीं थी, बल्कि ऐसी थी कि जब रस्सी को बल लगाया जाता था तो रस्सी के दोनों सिरे बराबर खुलते जाते थे। रस्सी को बल लगाने की लकड़ी की बनी चरखी होती थी और गज़ब की तकनीक से काम किया जाता था उससे। इन रस्सियों को पानी में भिगो दिया जाता था। हम बच्चों को थोड़ी-थोड़ी दूरी पर दोनों ओर की रस्सियों के बीच में खड़ा कर दिया जाता था, ताकि दोनों रस्सियों के बीच में मिलाप न हो सके। इन रस्सियों के बीच खड़े होने पर कई बार पता ही नहीं चलता था कि रस्सी कब कुर्ते या बुरसट को साथ लपेट लेती थी। हालांकि एक हाथ से चलने वाली चरखी भी होती थी, जिससे बल लगाया जाता था। मूंज की इस रस्सी से खाट, पलंग, पीढ़ा, मूढ़ा बनाया जाता था। थोड़ी-सी मोटी रस्सी बनाकर खाट की पंगात (खाट की बाहरी मजबूत बुनावट/किनारी) बनाई जाती थी।

मूंज की इस रस्सी से खाट, पलंग, पीढ़ा, मूढ़ा बनाया जाता था। थोड़ी-सी मोटी रस्सी बनाकर खाट की पंगात (खाट की बाहरी मजबूत बुनावट/किनारी) बनाई जाती थी।

किसानों के लिए यह काम का काम और बढ़िया टाइम पास था। झुंडे बिना पानी, बिना देखभाल किए ऐसे ही उग आते थे और किसान इनका बेहतरीन सदुपयोग करना जानते थे। सरकंडे की पतली तुलिया से छाज, जंगले की चटाई, हवा करने की पंखी आदि बनती थीं। मोटे सरकंडे से अब भी मूढ़े बनाए जाते हैं।

किसानों का और उनके परिवारों का यह आत्मनिर्भर स्वरोजगार था, जिसमें वे अपना काम खूब चलाते थे और जरूरी चीजों के लिए बाजार का रुख नहीं करते थे। आज आधुनिक भारत में सबकी जेब में दाम हैं और सुख-सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हैं। तीन दशक पहले का यह काम अब हाशिए पर धकेल दिया गया है। इसके लिए किसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता, बस बदलते समय में गांवों की सोच भी बदल गई। अब खाट और पलंग की जगह डबल बेड आ गए, पीढ़े और मूढ़े की जगह प्लास्टिक की कुर्सियों और सोफों ने ले ली। हम आधुनिक, सुविधा-संपन्न व्यक्ति जरूर हो गए, मगर स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता को खोकर बेरोजगार भी हो गए।

समय बदल रहा और हरियाणवी सिनेमा भी : सुदेश बेनीवाल

कलाकार

डॉ. तबस्सुम जहां

सपनों को हौसलों की उड़ान मिले और प्रतिभा को सही मार्गदर्शन, तो साधारण पृष्ठभूमि से निकला एक कलाकार भी अपनी पहचान पूरे देश में बना सकता है। हरियाणवी सिनेमा की ऐसी ही सशक्त अभिनेत्री हैं सुदेश बेनीवाल, जिन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों में विशेष स्थान बनाया है। सुदेश बेनीवाल ने एम.ए. एवं बी.एड. की शिक्षा प्राप्त की है। उनका पैतृक गांव हिसार जिले का शिकारपुर तथा ससुराल फतेहाबाद जिले के खाबड़ा कलां गांव से है। बचपन से ही वे हंसमुख, चुलबुली और अभिनय की शौकीन थीं।

इन्होंने गवर्नमेंट कॉलेज, हिसार से उच्च शिक्षा प्राप्त की और वहीं से रंगमंच की शुरुआत की। उनके अभिनय सफर में पूरे परिवार ने भरपूर सहयोग दिया। उनके पिता चाहते थे कि वे अभिनय के क्षेत्र में आगे बढ़ें। विवाह के बाद ससुराल में भी उन्हें पूरा सहयोग मिला। विशेष रूप से उनके पति अमर बेनीवाल ने हर कदम पर उनका साथ दिया। सुदेश अभी तक दादा लखमी, कॉलेज कांड, पाताल लोक-2, हरियाणा की बेटी, देशी अदालत, पुनर्जन्म, महा पुनर्जन्म काल-चक्र तथा डाकखाना में अपने अभिनय का

लोहा मनवा चुकी हैं। आने वाले समय में वे जालिमपुर हलालपुर, भाई साहब, सपना चौधरी अभिनीत फिल्म फौजन के अलावा कई विज्ञापन फिल्मों और म्यूज़िक वीडियोज़ में भी नज़र आएंगी। सुदेश के अभिनय जीवन का नया अध्याय फिल्म दादा लखमी से शुरू हुआ। इसका पूरा श्रेय वे वरिष्ठ अभिनेता यशपाल शर्मा को देती हैं, जिन्हें वे अपना अभिनय गुरु मानती हैं। उनके अनुसार इस यात्रा की सबसे बड़ी सीख यही रही कि बिना रुके और बिना थके लगातार मेहनत करते रहना चाहिए। दादा लखमी ने हरियाणवी सिनेमा को नई दिशा दी। चन्द्रावल के बाद इसी फिल्म ने दर्शकों को फिर से सिनेमाघरों तक पहुंचाया और हरियाणवी सिनेमा की चर्चा विदेशों तक हुई। इस फिल्म में काम करना वह अपना सौभाग्य मानती हैं। सुदेश को यशपाल शर्मा और जयदीप अहलावत जैसे दिग्गज कलाकारों के साथ काम करने का अवसर मिला है। पाताल लोक-2 में जयदीप अहलावत के साथ काम करना उनके लिए यादगार अनुभव रहा। इस वेब सीरीज़ में उनका पम्मी पार्लर वाला किरदार दर्शकों को खूब पसंद आया। अपने स्टेज ऐप पर काम करने के अनुभव के बारे में उन्होंने बताया कि स्टेज ऐप ने न केवल उन्हें, बल्कि हजारों हरियाणवी कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर दिया है और प्रदेश के सिनेमा को नई पहचान दिलाई है। सुदेश जिस भी फिल्म या वेब सीरीज़ में काम करती हैं, उसकी शूटिंग शुरू होने से पहले ही वे अपने किरदार को समझकर स्वयं को उसके अनुरूप ढालने का प्रयास करती हैं। कॉलेज कांड में कविता वकील का संघर्ष और पाताल लोक-2 का जस्ट सेइंग उनके लिए विशेष अनुभव रहे। हरियाणवी सिनेमा और रंगमंच के बारे में सुदेश का मानना है कि हरियाणा का रंगमंच अपनी अलग पहचान और समृद्ध परंपरा रखता है। आज मोबाइल और डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से हरियाणवी सिनेमा घर-घर तक पहुंच चुका है। उनके अनुसार रंगमंच और सिनेमा, दोनों की अपनी-अपनी संभावनाएं हैं। आज लगातार नई हरियाणवी फिल्में और वेब सीरीज़ बन रही हैं। अब बॉलीवुड के कलाकार भी हरियाणवी फिल्मों की ओर आकर्षित हो रहे हैं, जो इस उद्योग के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है। सामाजिक विषयों पर आधारित फिल्मों में काम करते हुए वे स्वयं को अधिक मजबूत और प्रभावी महसूस करती हैं। प्रदेश सरकार फिल्म बनाने को लेकर जो पॉलिसी लाई है इस नई फिल्म नीति के कारण हरियाणा के बाहर के कलाकार भी यहां के सिनेमा से जुड़ रहे हैं, जिससे उद्योग का दायरा और पहचान दोनों बढ़ी हैं। आने वाला समय हरियाणवी सिनेमा का है। जिस प्रकार हरियाणवी गीतों ने पूरे देश में अपनी पहचान बनाई है, उसी प्रकार हरियाणवी सिनेमा भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराएगा। सुदेश के अनुसार पहले हरियाणा के लोग खेती-बाड़ी से अधिक जुड़े थे और सिनेमा उनकी प्राथमिकता नहीं था, लेकिन अब समय बदल रहा है। युवा पीढ़ी फिल्मों और वेब सीरीज़ में अधिक रुचि ले रही है और अच्छी हरियाणवी फिल्मों के साथ दर्शकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। वह यह भी मानती हैं कि बेशक आज लोगों के पास थिएटर जाकर नाटक देखने का समय कम हो गया है, लेकिन डिजिटल माध्यमों के बढ़ते प्रभाव के कारण दर्शकों की देखने की आदतों में बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने नए कलाकारों को संदेश देते हुए कहा कि वे पूरी लगन, ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने काम में जुटे रहें। उनके अनुसार समय बदल रहा है और हरियाणवी सिनेमा भी लगातार बढ़ रहा है।

सुदेश के अभिनय जीवन का नया अध्याय फिल्म 'दादा लखमी' से शुरू हुआ। इसका पूरा श्रेय वे वरिष्ठ अभिनेता यशपाल शर्मा को देती हैं, जिन्हें वे अपना अभिनय गुरु मानती हैं। उनके अनुसार इस यात्रा की सबसे बड़ी सीख यही रही कि बिना रुके-थके लगातार मेहनत करते रहना चाहिए।

खबर संक्षेप

राष्ट्रीय मुक्केबाजी में रिया ने जीता गोल्ड मेडल

झज्जर। एलपीयू यूनिवर्सिटी पंजाब में 13 से 18 जुलाई तक आयोजित केंद्रीय विद्यालय राष्ट्रीय मुक्केबाजी प्रतियोगिता में जिले की खिलाड़ी रिया ने स्वर्ण पदक जीत कर जिले का नाम रोशन किया है। कोच हितेश देशवाल ने बताया कि रिया एक बेहद मेहनती, अनुशासित और समर्पित खिलाड़ी है। उसकी निरंतर मेहनत, लगन और संघर्ष का ही परिणाम है कि उसने राष्ट्रीय स्तर पर यह स्वर्णिम सफलता हासिल की है। उन्होंने विश्वास जताया कि रिया भविष्य में भी देश के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर भारत का गौरव बढ़ाएगी। उन्होंने होनहार खिलाड़ी को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

बीएड एडिशनल कोर्स की प्रैक्टिकल परीक्षा 30 से

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) की बीएड एडिशनल कोर्स प्रथम वर्ष (जुलाई 2026) की प्रायोगिक (प्रैक्टिकल) परीक्षाएं 30 और 31 जुलाई को निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होंगी। रोल नंबर 4651003 से 4651064 तथा 4651065 से 4651130 तक के विद्यार्थियों की प्रैक्टिकल परीक्षा वैश्य कॉलेज ऑफ एजुकेशन, रोहतक में होगी। वहीं, रोल नंबर 4651131 से 4651180 तथा 4651181 से 4651230 तक के विद्यार्थियों का परीक्षा केंद्र सीआर कॉलेज ऑफ एजुकेशन, रोहतक निर्धारित किया गया है। कंट्रोलर ऑफ एग्जामिनेशंस प्रो. राहुल ऋषि ने बताया कि विस्तृत डेटशीट और एडमिट कार्ड विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध रहेंगे।

पुराने छात्रों को स्पेशल चांस 30 जुलाई तक आवेदन

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) ने वर्ष 2001 या उससे पहले पंजीकृत विद्यार्थियों को स्पेशल/मर्सी चांस देने का निर्णय लिया है। विश्वविद्यालय की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, पात्र विद्यार्थी 30 जुलाई 2026 तक संबंधित रिजल्ट ब्रांच में आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा वर्ष 2001 की स्कीम और सिलेबस के अनुसार ही होगी। री-अपीयर या इम्प्रूवमेंट के लिए आवेदन करने वाले विद्यार्थियों को वर्ष 2001 के विषयों के अनुसार ही परीक्षा देनी होगी और परीक्षा फॉर्म के साथ अंडरटेकिंग भी जमा करनी होगी। कंट्रोलर ऑफ एग्जामिनेशंस प्रो. राहुल ऋषि ने बताया कि यह विशेष अवसर वर्ष 2001 या उससे पहले पंजीकृत छात्रों के लिए उनकी मांगों पर विचार करने के बाद दिया गया है। पात्र विद्यार्थी निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन कर अपनी डिग्री पूरा करने के लिए इस मौके का लाभ उठा सकते हैं।

झज्जर। संस्थान परिसर में उपस्थित स्कॉलरशिप टेस्ट देने पहुंचे विद्यार्थी।

स्कॉलरशिप टेस्ट में 204 छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

झज्जर। गंगा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट कबलाना द्वारा रविवार को इंजीनियरिंग एवं मैनेजमेंट कोर्स में प्रवेश के लिए स्कॉलरशिप टेस्ट का आयोजन किया गया। इस टेस्ट में दिल्ली, हरियाणा और अन्य राज्यों के 204 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इंस्टिट्यूट के कंप्यूटर साइंस विभाग द्वारा डिजाइन किए गए सॉफ्टवेयर के माध्यम से प्रश्नपत्र में वैकल्पिक प्रश्न पूछे गए। संस्थान प्रशासन ने बताया कि स्कॉलरशिप टेस्ट पूरी पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ संपन्न कराया गया।

पुलिस व आमजन की सहभागिता से गूंजा हरित संकल्प

सेक्टर-12 में विकसित किए जा रहे मिनी जंगल को और विस्तार दिया

लगभग 1200 पौधे लगाए गए, पुलिस की भी इस कार्यक्रम में अहम भूमिका रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कार्य कर रहे क्लीन एंड ग्रीन ट्रस्ट सहित विभिन्न संस्थाओं/संगठनों ने सेक्टर-12 में विकसित किए जा रहे मियावाकी मिनी जंगल को और विस्तार दिया है। इसके तहत रविवार को यहां लगभग 1200 पौधे लगाए गए। पुलिस की भी इस कार्यक्रम में अहम भूमिका रही। डीसीपी मयंक मिश्रा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करते हुए न केवल पौधा लगाया बल्कि साथ आए अपने तमाम जवानों को भी इस पुनीत कार्य में शामिल किया। आयोजन के दौरान पौधा दौड़ भी कराई गई। पुलिस, महिलाओं और बच्चों की टीमों ने भाग लिया। विजेताओं को पौधा देकर सम्मानित किया गया। दरअसल, पिछले रविवार को बाईपास के साथ लगती इस ग्रीन बेल्ट में मियावाकी तकनीक के तहत जंगल विकसित करने की नींव रखी गई थी। तब 2 हजार पौधे लगाए गए थे। अब इस जंगल को और 2 एकड़ विस्तार दिया गया है। पर्यावरण प्रेमियों का कहना है कि मोबाइल, इंटरनेट के इस दौर में नई पीढ़ी पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझ रही है, यह भी हम सभी के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। हरियाणा पुलिस, आरएसओ, वन विभाग, पर्यावरण संरक्षण गतिविधि, सक्षम फाउंडेशन, उड़ान सेवा समिति, वैश्य आर्य महिला विद्यालय, संत निरंकारी सत्संग भवन, नीमा बहादुरगढ़, श्रीबालाजी श्याम सेवा समिति, वैश्य आर्य शिक्षण महिला महाविद्यालय, विद्यादान महादान, रॉबिन हुड आर्मी, सार्थक सेवा समिति, सेवा भारती, पेड़ लगाओ फाउंडेशन, जैन सेवा मंडल, श्यामजी गो सेवा समिति, ब्रह्मकुमारीज संस्थान, श्रीश्याम बिहारी सेवा मंडल ट्रस्ट, सर्व कल्याण सेवा समिति, ह्यूमन एंड नेचर एन्वॉयरमेंट सोसाइटी सहित अन्य संस्थाओं का अभियान में सहयोग रहा।

बहादुरगढ़। मियावाकी जंगल में पौधरोपण के दौरान डीसीपी मयंक मिश्रा, चेयरपर्सन सरोज राठी व अन्य। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। पौधरोपण करतीं एक महिला व पुलिस कर्मचारी।

मुहिम की सराहना

मुख्य अतिथि नगर परिषद की चेयरपर्सन सरोज राठी ने भी मुहिम की सराहना की और कहा कि नगर परिषद की ओर से पर्यावरण संरक्षण सबंधित कार्यों में हर संभव सहयोग किया जाएगा। अतिथियों ने पर्यावरण प्रेमियों की इस पहल की प्रशंसा करते हुए आमजन को पर्यावरण हित में काम करने को प्रेरित किया।

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित खिलाड़ी, स्वामी राघवेंद्र भारती, पुलिस कमिश्नर एवं प्रबुद्धजन।

नशा व्यक्ति, परिवार व समाज को करता बर्बाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

नशा मुक्ति हरियाणा अभियान के तहत रविवार को गांव डीघल में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस कमिश्नर डॉक्टर राजश्री सिंह ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। कार्यक्रम में निरंजनी अखाड़ा के महामंडलेश्वर स्वामी राघवेंद्र भारती तथा स्वामी शंकरानंद महाराज भी विशेष रूप से मौजूद रहे। दोनों संतों ने युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए समाज और राष्ट्र निर्माण में सकारात्मक भूमिका निभाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों को बर्बाद कर देता है। इसलिए युवाओं को इससे दूर रहकर शिक्षा, संस्कार और अच्छे आचरण को अपनाना चाहिए। वहीं पुलिस कमिश्नर डॉक्टर राजश्री सिंह ने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी ताकत हैं और उनके कंधों पर देश का भविष्य टिका हुआ है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे नशे और अपराध जैसी बुराइयों से दूर रहें तथा शिक्षा और खेलों को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। उन्होंने युवाओं से अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने की अपील करते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है। इसलिए युवाओं को पौष्टिक एवं संतुलित आहार अपनाना चाहिए और नियमित व्यायाम व खेल गतिविधियों से जुड़ना चाहिए,ताकि वे अपने जीवन के लक्ष्य को सफलतापूर्वक प्राप्त कर सकें।

बाल भारती स्कूल स्कूल में पूर्व छात्रों ने किया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बाल भारती स्कूल के पूर्व छात्रों ने विद्यालय परिसर में पौध रोपण अभियान चलाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। अभियान के दौरान एलुमनाई सदस्यों ने पौधे लगाए और उनकी नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के कॉन्फ्रेंस रूम में हुई। इसमें प्रिंसिपल, वाइस प्रिंसिपल शिक्षक, हेड बॉय, हेड गर्ल तथा बड़ी संख्या में पूर्व छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। इसके बाद सभी ने विद्यालय परिसर में पौधरोपण किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना और उनका संरक्षण करना समय की जरूरत है। विद्यालय प्रशासन ने एलुमनाई के इस प्रयास की सराहना करते हुए विद्यार्थियों से भी प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का समापन हरित धरती, स्वस्थ भविष्य के संकल्प के साथ हुआ।

बहादुरगढ़। पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते शिक्षक व पूर्व छात्र।

कन्या गुरुकुल में मनाया जन्मदिन

बहादुरगढ़। गांव नूना माजरा के निवासी आर्य वेदपाल जून ने अपने पुत्र जसबीर सिंह का 29वां जन्मदिन कन्या गुरुकुल लोवा कलां में ब्रह्मचारिणियों के बीच सादगी और सेवा भाव के साथ मनाया।

आर्य प्रतिनिधि सभा जिला झज्जर के प्रधान आर्य हरिओम दलाल ने बताया कि वेदपाल जून ने गुरुकुल की कन्याओं को भोजन कराया तथा दान स्वरूप नकद राशि भी भेंट की। उन्होंने कहा कि जन्मदिन जैसे शुभ अवसरों को सामाजिक सेवा और संस्कारों से जोड़ना समाज के लिए प्रेरणादायी है। जसबीर सिंह क्षेत्र के आर्य समाजी प्रख्यात पहलवान स्व. सूबेसिंह के पौत्र हैं। वहीं उनकी भाभी मोनिका देवी बहादुरगढ़ ब्लॉक समिति की चेयरपर्सन हैं।

हमारा गांव हमारी जिम्मेदारी के तहत किया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

गांव डाबोदा खुर्द में रविवार को युवाओं ने हमारा गांव, हमारी जिम्मेदारी अभियान के तहत पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। अभियान के दौरान गांव के खाली मैदान में करीब 50 पौधे लगाए गए और उनकी नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया गया।

युवाओं ने कहा कि गांव और आसपास के क्षेत्र को हराभरा बनाने के उद्देश्य से यह मुहिम शुरू की गई है। इसके तहत हर रविवार गांव के खाली स्थानों पर पौधे लगाए जाएंगे और उनकी देखरेख भी सुनिश्चित की जाएगी। अभियान से जुड़े युवाओं ने बताया कि आने वाले समय में गांव के बच्चों और अन्य युवाओं को भी इस पहल से जोड़ा जाएगा। साथ ही ग्रामीणों को पेड़-पौधों के महत्व और हरियाली से होने वाले पर्यावरणीय व स्वास्थ्य लाभों के बारे में जागरूक किया जाएगा। यूथ को इंटरनेट पर गलत कंटेंट बनाने से रोका जाएगा और बच्चों को कम से कम मोबाइल इस्तेमाल करने पर जोर दिया जाएगा।

बहादुरगढ़। पौधे लगाने के लिए एकत्र हुई गांव की युवा टीम।

50 मीटर राइफल प्रतियोगिता में प्रियांशु ने जीता गोल्ड मेडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

स्वर्गीय जसपाल राणा की स्मृति में आयोजित जसपाल राणा मेमोरियल कप का आयोजन देहरादून स्थित त्रिशूल शूटिंग रेंज में नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा किया जा रहा है। प्रतियोगिता में बेरी के प्रियांशु ने गोल्ड मेडल जीता है। प्रियांशु ने 50 मीटर प्रोन में सब राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में जूनियर और यूथ श्रेणियों में पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया है। इस उपलब्धि पर प्रियांशु ने अपनी कोच काजल सैनी को श्रेय दिया है, जिन्होंने उनकी पूरी ट्रेनिंग के दौरान उनका मार्गदर्शन किया। कोच काजल सैनी ने बताया कि प्रियांशु ने 50 मीटर राइफल में गोल्ड जीता है। प्रियांशु की इस उपलब्धि पर उनके परिजनों और दोस्तों ने बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

झज्जर। होनहार प्रियांशु अपने कोच के साथ।

संसद मार्च में शामिल होगी जननायक जनता पार्टी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

जननायक जनता पार्टी भी केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर संसद मार्च में शामिल होगी। इस मार्च में हरियाणा के पूर्व उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला की अगुवाई में प्रदेशभर से पार्टी कार्यकर्ता, महिलाएं और बुजुर्ग भाग लेंगे। यह जानकारी जजपा युवा विंग के प्रदेशाध्यक्ष दिग्विजय चौटाला ने दी। वे रविवार को बहादुरगढ़ में जन-जन अभियान के तहत लोगों से संवाद करने पहुंचे थे।

इस दौरान आयोजित पत्रकार वार्ता में चौटाला ने कहा कि यदि प्रशासन बेरिकेड लगाकर रोकने का प्रयास भी करेगा तो जजपा कार्यकर्ता पैदल चलकर संसद मार्च में शामिल होंगे। बीजेपी को हराने के सवाल पर दिग्विजय चौटाला ने कहा कि तीसरे मोर्चे से नहीं, बल्कि एक मजबूत विकल्प से ही भाजपा को चुनौती दी जा सकती है। देशभर के सभी विपक्षी दलों और संगठनों को एकजुट होना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि यदि आवश्यकता पड़ी तो भाजपा को हराने के लिए जजपा, इनेलो के साथ आने को भी तैयार है।

परिसीमन और महिला आरक्षण विधेयक पर उन्होंने कहा कि जजपा इन दोनों के खिलाफ नहीं है, बल्कि सरकार द्वारा प्रस्तावित फॉर्मूले का विरोध करती है।

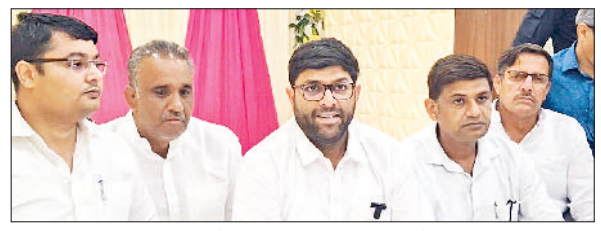

बहादुरगढ़। पत्रकारवार्ता करते दिग्विजय चौटाला व अन्य नेता।

गणना प्रपत्रों का सत्यापन तुरंत करें बीएलओ : डीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित एसआईआर अभियान के तहत जिला में मतदाताओं को वितरित किए गए गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन का कार्य तेज गति से आगे बढ़ रहा हैं। सभी शेष बचे वोटर से गणना फार्म प्राप्त कर उनका डिजिटाइजेशन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गणना चरण के दौरान बीएलओ द्वारा एएसडीडी मामलों के सत्यापन तथा पर्यवेक्षकों द्वारा उनके प्रमाणीकरण का कार्य शीघ्र पूरा किया जाए। जिन मतदाताओं ने गणना प्रपत्र जमा करा दिए हैं, लेकिन उनका सत्यापन अभी लंबित है, उन सभी मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि 31 जुलाई को होने वाले प्रारूप मतदाता सूची के प्रकाशन से पूर्व सभी तैयारियां समय पर पूरी की जाएं।

झज्जर। वर्षा खांगवाल, डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, झज्जर।

कविताओं के माध्यम से कवियों ने साहित्य की सतरंगी छटा बिखेरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

कलमवीर विचार मंच के तत्वावधान में रविवार को काव्योत्सव का आयोजन किया गया। हास्य कवि सुरेश कौशिक द्वारा मॉडल टाउन में आयोजित इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय कवियों के अलावा दिल्ली व उत्तर प्रदेश के हास्य कवियों ने भी भाग लिया। अतिथियों द्वारा किए गए दीप प्रज्वलन व कवयित्री अर्चना झा की सरस्वती वंदना से शुरू इस कार्यक्रम का संचालन गीतकार कृष्ण गोपाल विद्यार्थी ने किया।

दिल्ली के प्रसिद्ध हास्य कवियों इब्राहिम अल्वी व राजीव तनेजा तथा नौजवान शायर मोहित कौशिक के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस काव्योत्सव में शामिल कवियों ने अपने काव्य पाठ के दौरान जीवन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर आधारित कविताओं के माध्यम से साहित्य की सतरंगी छटा बिखेरी। हरियाणवी कवि-कलाकार विरेंद्र कौशिक व अनिल भारतीय ने जहां रचनाओं के माध्यम से जन्मदिन की शुभकामनाएं भी दीं, वहीं शिव ओम शिव, जगबीर कौशिक, मुकेश व्यास व राजकुमार ने वर्तमान व्यवस्था पर व्यंग्यात्मक टिप्पणियां भी कीं। अर्चना झा ने समाज में महिला उत्पीड़न की बढ़ती घटनाओं पर मार्मिक रचना सुनाकर सभी के अंतर्मन को झकझोर दिया। गायक विनोद गिरधर सनम, वेद भारती,मोहित कौशिक व मनोज कुमार की सस्वर प्रस्तुति को भी खूब सराहा गया। हास्य कवि राजीव तनेजा, इब्राहिम अल्वी उर्फ गोविन्द ज्ञानी तथा संयोजक सुरेश कौशिक की हास्यपूर्ण रचनाओं ने श्रोताओं को खूब हंसाया। इस अवसर पर संस्था से जुड़े संजू तनेजा, समीना अल्वी, नित्यानंद झा, सुमन कौशिक, शिवांगी, तनिष्क आदि भी उपस्थित रहे।

बहादुरगढ़। कवि को सम्मानित करते मंच सदस्य। फोटो : हरिभूमि

अध्यापकों को दी पायथन कंप्यूटर की जानकारी

पायथन जैसी आधुनिक प्रोग्रामिंग भाषा छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला

एच डी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय साल्हावास में कैपसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम की दो दिवसीय कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

एच डी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय साल्हावास में कैपसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम की दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों से 37 अध्यापकों ने पाइथन कंप्यूटर साइंस विषय के बारे में जानकारी प्राप्त की। प्राचार्या प्रीति राठी की अध्यक्षता और उप-प्राचार्या नीलम कुमारी के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन सोनाली और सुधीर ने सरल व सहज भाषा में बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप विद्यालयी शिक्षा में प्रौद्योगिकी और प्रोग्रामिंग का महत्व निरन्तर बढ़ रहा है। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों को नई तकनीकों से जोड़ते हैं, जो विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं व्यावहारिक शिक्षा प्रदान करने में सहायक सिद्ध होते हैं। एच डी ग्रुप डायरेक्टर रमेश गुलिया ने बताया कि आज के डिजिटल युग में पाइथन जैसी आधुनिक प्रोग्रामिंग भाषा का ज्ञान विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। विद्यालय में समय-समय पर ऐसे क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित कर शिक्षकों को नवीनतम शैक्षणिक तकनीकों से सशक्त बनाया जा रहा है ताकि विद्यार्थियों का चहुंमुखी विकास हो सके। पाइथन कंप्यूटर साइंस की सबसे लोकप्रिय और सीखने में आसान प्रोग्रामिंग भाषा है। इसे बच्चों को सीखाने के लिए जिस शैली को अपनाना चाहिए, वह इस कार्यशाला में शिक्षकों ने बखूबी सीखा।

झज्जर। कार्यशाला के दौरान उपस्थित विषय विशेषज्ञ एवं शिक्षक।

पीजी में प्रवेश के लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

शैक्षणिक सत्र 2026-27 स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया शुरू हो गई है। वैश्य आर्य कन्या महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. राजवंती शर्मा ने छात्राओं से समय पर पंजीकरण और प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने की अपील की है।

उन्होंने बताया कि डीजीएचई पंचकूला की अधिसूचना के अनुसार पीजी कार्यक्रमों के लिए पंजीकरण पोर्टल खुल चुका है। प्रवेश कार्यक्रम और काउंसलिंग का विस्तृत शेड्यूल जल्द जारी किया जाएगा। छात्राओं को विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट और महाविद्यालय के सूचना माध्यमों पर नियमित नजर रखने की सलाह दी गई है। उच्चतर शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार यूजी द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष तथा पीजी विद्यार्थियों की प्रवेश एवं प्रमोशन प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। महाविद्यालय में प्रमोटेड छात्राओं के प्रवेश की सभी तैयारियां पूरी हैं और पोर्टल पर प्रक्रिया जारी है। प्राचार्या ने बताया कि प्रमोटेड छात्राएं 24 जुलाई तक बिना विलंब शुल्क प्रवेश ले सकती हैं। इसके बाद विभाग के नियमानुसार विलंब शुल्क देना होगा। प्रवेश नोडल अधिकारी सुजाता वर्मा ने बताया कि पीजी में प्रवेश की इच्छुक छात्राएं सभी आवश्यक दस्तावेज तैयार रखें। प्रवेश प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन होगी। किसी भी सहायता के लिए छात्राएं महाविद्यालय प्रशासन से संपर्क कर सकती हैं। महाविद्यालय ने छात्राओं से केवल विश्वविद्यालय और कॉलेज के आधिकारिक स्रोतों से जारी सूचनाओं पर ही भरोसा करने की अपील की है।

कॉलेजों में पीजी कक्षाओं के लिए आवेदन शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

विभिन्न कॉलेजों में एमए, एमएससी, एमकॉम आदि स्नातकोत्तर कक्षाओं के दाखिलों के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू हो गए हैं। राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर अमित भारद्वाज ने बताया कि विद्यार्थी उच्चतर शिक्षा विभाग के एडमिशन पोर्टल admissions.highereduhry.ac.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 26 जुलाई है। आवेदन प्रकिया का शेड्यूल शीघ्र जारी होगा। उन्होंने बताया कि विद्यार्थी ऑनलाइन फॉर्म भरने के लिए अपने फोटो और सिग्नेचर की स्कैन कॉपी, मैट्रिक, बारहवीं तथा स्नातक कक्षाओं के प्रमाण पत्रों की कॉपी, मूल चरित्र प्रमाण पत्र, परिवार पहचान पत्र तथा आरक्षण का लाभ लेने के लिए उस केटेगरी के जरूरी प्रमाण पत्र अपने साथ तैयार रखें। हरियाणा के सभी विद्यार्थियों के लिए परिवार पहचान पत्र अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि दाखिला मेरिट के आधार पर होगा और ग्रेजुशन के अंकों तथा निर्धारित वेटेज को जोड़कर मेरिट बनाई जाएगी। विद्यार्थी जिस कॉलेज की फर्स्ट चॉइस भरेंगे, वहां उनके डॉक्यूमेंट की ऑनलाइन वेरिफिकेशन होगी। वेरिफिकेशन के लिए विद्यार्थियों को कॉलेज जाने की जरूरत नहीं है।

नेहरू कॉलेज में हैं 370 सीटें

डॉक्टर अमित भारद्वाज ने बताया कि राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय में आठ स्नातकोत्तर कक्षाओं की 370 सीटें हैं। इनमें एमए अंग्रेजी की 30, एमए हिंदी की 30, एमए पत्रकारिता एवं जनसंचार की 30, एमए मनोविज्ञान की 40, एमए भूगोल की 40, एमकॉम की 120, एमएससी कंप्यूटर विज्ञान की 40 और एमएससी गणित की 40 सीटें हैं।

भगवान जगन्नाथ के दर्शनों को उमड़ा आस्था का सैलाब

जय जगन्नाथ, जय बलदेव, जय सुभद्रा के जय घोषों से गूंजा शहर

> मान्यता है कि भगवान जगन्नाथ के रथ की रस्सी खींचने से जन्म-मृत्यु के बंधनों से मुक्ति मिलती हैं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

झज्जर। शहर से गुजरते हुए भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा। फोटो : हरिभूमि

हरे कृष्ण.. हरे राम..हरि बोल..जय जगन्नाथ के गगनभेदी जयघोष के बीच रविवार को शहर की सड़कों पर ऐसा आधात्मिक दृश्य दिखा जिसने हर किसी को भक्ति के रंग में रंग दिया। भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र के साथ नगर भ्रमण निकले तो श्रद्धालुओं का हजूम उमड़ पड़ा। श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ के रथ की रस्सी खींच कर पुण्य कमाया।

शहर के सिलानी गेट स्थित श्रीकृष्ण भवन से आरंभ हुई, श्री जगन्नाथ रथ यात्रा का समापन प्राचीन श्री गaशाला परिसर में हुआ। हरे कृष्ण.. हरे राम के संकीर्तन ने शहर में पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। सर्वाधिक उत्साह भगवान के रथ की रस्सी खींचने को लेकर दिखा। हर कोई कुछ पल के लिए ही सही रथ की रस्सी को स्पर्श कर रथ को खींचने का सौभाग्य प्राप्त करने को आतुर दिखा। मान्यता है कि भगवान जगन्नाथ के रथ की रस्सी खिंचने से जन्म-मृत्यु के बंधनों से मुक्ति मिलती हैं। रथ यात्रा में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव ओम प्रकाश धनखड़, जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि, जिप चेयरमैन कप्तान बिरधाना, नप चेयरमैन जिले सिंह सैनी, महेंद्र बंसल, गीतांशु चावला, मनीष बंसल, प्रमोद बंसल सहित अन्य भी मौजूद रहे।

झज्जर। भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़। फोटो : हरिभूमि

जगह-जगह हुआ यात्रा का स्वागत

सायं चार बजे भगवान जगन्नाथ, बलदेव व सुभद्रा जी के श्री विग्रह को रथ पर विराजमान किया गया तो सभी ओर से जयकारों की गूंज सुनाई दी। श्रद्धालु रथ के रस्से को खींचकर रथयात्रा मार्ग पर चलने लगे। यात्रा मार्ग में कहीं आरती, कहीं पुष्प वर्षा, तो कहीं भंडारे लगाकर भक्तों ने रथयात्रा का स्वागत किया। रथ यात्रा श्रीकृष्ण यादव भवन से आरंभ होकर सिलानी गेट, बीकानेर चौक, पुरानी तहसील, सिविल अस्पताल, छिक्कारा चौक, अंबेडकर चौक, छारा चुंगी से होते हुए श्री गोशाला में भंडारे के साथ संपन्न हुई।

झज्जर। एक शव और पहुंचा नागरिक अस्पताल व नागरिक अस्पताल के आपात कालीन विभाग में उपस्थित परिजन और ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

150 साल पुराने कुएं में दफन हो गईं चार जिंदगियां, गांव में पसरा मातम

- एक-दूसरे की जान बचाने के प्रयास में बढ़ता गया मौत का आंकड़ा
- अस्पताल में बिलखते रहे परिजन, मौके पर पहुंचे विधायक और कमिश्नर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

मुनीमपुर गांव में हुए दर्दनाक हादसे में चार लोगों की मौत गई। जिसके कारण पूरे गांव में मातम पसर गया। वहीं, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मामले की सूचना मिलने पर प्रशासन मौके पर पहुंचा और शवों को अस्पताल पहुंचाया। मरने वालों में मोनू, दलबीर, नरेंद्र और प्रवासी श्रमिक रामू शामिल हैं। बताया जा रहा है कि गांव में करीब 150 साल पुराने कुएं में रविवार रात एक बछड़ा गिर गया। उसे बचाने की मंशा से ग्रामीण बिना किसी सुरक्षा उपकरण के कुएं में उतर गए। जानकारी अनुसार सबसे पहले एक युवक कुएं में उतरा। जब वह बाहर नहीं आया तो उसे बचाने के लिए दूसरा युवक नीचे उतर गया। इसके बाद तीसरा और फिर चौथा युवक भी अपने साथियों को निकालने के लिए कुएं में उतर गया। देखते ही देखते बचाव का प्रयास एक बड़ी त्रासदी में बदल गया। हादसे की सूचना मिलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। पुलिस, फायर ब्रिगेड और प्रशासन की टीमें पहुंचीं तथा जेसीबी की मदद से कुएं की दीवार तोड़कर राहत एवं बचाव अभियान चलाया गया, लेकिन चारों लोगों को बचाया नहीं जा सका। वहीं, विशेषज्ञों के अनुसार, लंबे समय से बंद पड़े कुओं और सेप्टिक टैंकों में मीथेन, हाइड्रोजन सल्फाइड व कार्बन डाइऑक्साइड जैसी जहरीली गैसें जमा हो जाती हैं। ऐसे स्थानों पर बिना गैस जांच और सुरक्षा उपकरणों के उतरना बेहद खतरनाक होता है। इसलिए सावधानी जरूरी है।

झज्जर। मृतक के परिजन विलाप करते हुए। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। घटनास्थल पर मौजूद भीड़। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। मौके पर पहुंची पुलिस कमिश्नर डॉ. राजश्री सिंह। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। नागरिक अस्पताल में परिजन और ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

सरकारी स्कूल के छात्रों ने पाई बड़ी उपलब्धि

हर्ष ठाकुर

संदीप

अमन मिश्रा

बहादुरगढ़। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने नीट, जेईई और आईआईएसईआर प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों के प्रदर्शन पर प्रबंधन ने खुशी जताई है। छात्र हर्ष कुमार ठाकुर ने नीट परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक 3335 हासिल की है। वहीं संदीप ने अपनी श्रेणी में ऑल इंडिया रैंक 185 प्राप्त की। संदीप ने नीट के साथ-साथ आईआईएसईआर और जेईई परीक्षाएं भी सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कीं। इसके अलावा अमन मिश्रा का चयन एनआईटी कुरुक्षेत्र में हुआ है। खंड शिक्षा अधिकारी शेर सिंह ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। प्रिंसिपल मंजू रानी ने विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे उनके कठिन परिश्रम, अभिभावकों के सहयोग और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम बताया। शिक्षक अमित कुमार जलंधरा, अनिल अहलावत, भारती गुप्ता, नीरू सिंगला, दिनेश भारद्वाज, जितेंद्र सहित अन्य स्टाफ सदस्यों ने विद्यार्थियों की सफलता का जश्न मिठाई बांटकर मनाया।

साढ़े 19 लाख रुपये में होगा एससी चौपाल का विकास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

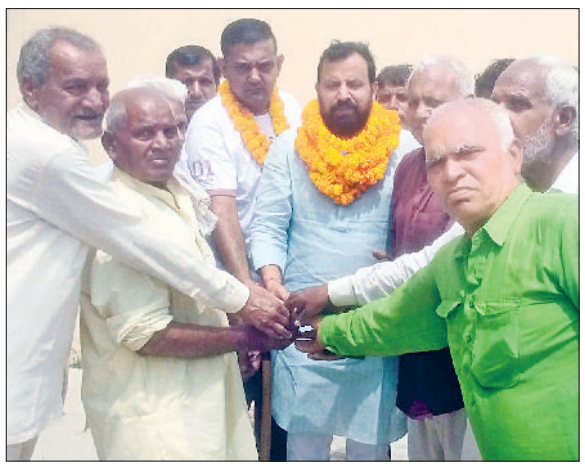

बहादुरगढ़। ग्रामीणों के साथ जिला पार्षद रविंद्र छिल्लर। फोटो : हरिभूमि

गांव बराही में रविवार को भाजपा जिला महामंत्री एवं जिला पार्षद रविंद्र छिल्लर ने एससी चौपाल में साढ़े 19 लाख रुपये की लागत से होने वाले विकास कार्यों का शुभारंभ किया।

चौपाल में हॉल, टीन शेड सहित अन्य आवश्यक विकास कार्य कराए जाएंगे। रविंद्र छिल्लर ने बताया कि निर्माण पूरा होने के बाद ग्रामीणों को धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सामुदायिक कार्यक्रमों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों और बुजुर्गों ने रविंद्र छिल्लर को आशीर्वाद देते हुए गांव में विकास कार्यों को निरंतर जारी रखने की शुभकामनाएं दीं।

छिल्लर ने कहा कि भाजपा सरकार की सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास की नीति के तहत गांवों में चौपाल, सड़क, सामुदायिक भवन और अन्य मूलभूत सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। प्रधान मोहित सहित अन्य ग्रामीण इस अवसर पर मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

कार्यक्रम में शिक्षा की गुणवत्ता और सामुदायिक भागीदारी पर दिया जोर

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विद्यालय प्रबंधन समितियों से किया सीधा संवाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

रविवार को क्षेत्र के गांव हसनपुर स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में विद्यालय प्रबंधन समिति व मुख्यमंत्री संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने राज्य स्तरीय वर्चुअल कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेशभर की विद्यालय प्रबंधन समितियों के सदस्यों से संवाद करते हुए शिक्षा व्यवस्था को और अधिक गुणवत्तापूर्ण एवं समावेशी बनाने का आह्वान किया। इस वर्चुअल कार्यक्रम में हसनपुर स्कूल प्रबंधन समिति भी जुड़ी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने स्कूल एक्रीडेशन हरियाणा कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि विद्यालय प्रबंधन समितियां स्कूलों के समग्र विकास और शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने बेहतर शिक्षा, उज्ज्वल भविष्य, समावेशी एवं गुणात्मक शिक्षा, हर बच्चे की प्रगति हमारा संकल्प के मूल मंत्र के साथ अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी, विद्यार्थियों की बेहतर शिक्षा और विद्यालयों के सर्वांगीण विकास पर बल दिया। कार्यक्रम के उपरांत सीएमजीजीए खुशी कौशल ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा शुरू किया गया स्कूल एक्रीडेशन हरियाणा कार्यक्रम राष्ट्रीय मानकों के आधार पर विद्यालयों का पारदर्शी मूल्यांकन करेगा। इससे विद्यालयों की गुणवत्ता, शिक्षण व्यवस्था, नेतृत्व, विद्यार्थियों के सीखने के स्तर, स्वास्थ्य, सुरक्षा तथा सामुदायिक सहभागिता का समग्र आकलन संभव होगा। इस अवसर पर डीईओ रतिंद्र सिंह, डीपीसी अनिल शर्मा, डीआईईटी प्राचार्य अनिल श्योराण, बीईओ सुनीता, प्राचार्य सुनील दत्त, एसएमसी प्रधान प्रवीण जांगड़ा, सरपंच बलवान सिंह सहित विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य एवं प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

झज्जर। कार्यक्रम में उपस्थित सीएमजीजीए खुशी कौशल, डीईओ रतिंद्र सिंह एवं अन्य प्रबुद्धजन। फोटो : हरिभूमि

सीएम के ओएसडी ने पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

झज्जर। रविवार को सेक्टर-छह स्थित एचएसवीपी पार्क में सीएम नायब सिंह सैनी के ओएसडी वीरेंद्र सिंह बढ़खालसा ने पौधारोपण अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि पौधारोपण अभियान केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनका संरक्षण और नियमित देखभाल करना भी प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने जलवायु परिवर्तन और बढ़ते प्रदूषण की चुनौतियों का उल्लेख करते हुए जल संरक्षण, सिंगल-यूज़ प्लास्टिक के न्यूनतम उपयोग, प्राकृतिक खेती तथा पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में ट्री मैन ऑफ इंडिया के नाम से विख्यात पर्यावरण प्रेमी देवेंद्र सूरा ने भी प्रत्येक परिवार से कम-से-कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करने का संकल्प लेने की अपील की। अभियान के तहत पार्क परिसर में करीब 900 पौधे लगाए जा रहे हैं। इस अवसर पर आरडब्ल्यूए सेक्टर-6 के प्रधान रणबीर सिंह गुलिया, सेक्टर अध्यक्ष नीरज दलाल, सचिव विनोद धनखड़, योगेश सिलानी, डॉक्टर नरेश शर्मा, रवि किरण मदान, सतबीर दलाल, पुष्पेंद्र कादियान सहित अन्य भी मौजूद रहे।

झज्जर। पौधरोपण अभियान का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री के ओएसडी वीरेंद्र सिंह बढ़खालसा। फोटो : हरिभूमि